(ग) तीसरी पंचवर्षीय योजना में इस पर कितनी धनराशि रखी गई है तथा अब तक कितनी खर्च हो चुकी है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अलगेशन) :(क) मार्च, १९६१ के अन्त तक ४,१४८ ग्रामों में बिजली लगाई गई थी । अप्रैल, १९६१ से २२३ और ग्रामों में बिजली लगाने की स्वीकृति मिल गई है ।

(ख) ५,६४८ ।

(ग) तृतीय पंचवर्षीय योजना के दौरान राज्य में ग्राम विद्युतन के लिये ९०० लाख रुपये का प्रबन्ध किया गया है । ऐसी सूचना मिली है कि तृतीय योजना के प्रथम वर्ष में ५७.४७ लाख रुपये व्यय हुए हैं ।

हाल्ट स्टेशनों पर यात्री सुविधायें

१११४. **श्री कृष्ण देव त्रिपाठी** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हाल्ट स्टेशनों पर यात्रियों के धूप और वर्षा से बचने के लिये क्या सुविधा प्रदान की गई है ;

(ख) यदि ऐसी कोई सुविधा नहीं है, तो क्या रेल विभाग शीघ्र यात्रियों को धूप और वर्षा से बचने के लिये उचित सुविधायें देने की व्यवस्था करेगा ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाह-नवाज खां) : (क) रेलवे की यह नीति है कि हाल्ट स्टेशनों पर यात्रियों के लिए एक छोटा सा प्रतीक्षा शेड बनाया जाय जिससे टिकट घर का काम भी लिया जाय । यह व्यवस्था सभी हाल्ट स्टेशनों पर की जा रही है ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

कानपुर-लखनऊ बड़ी लाइन को दोहरा करना

१११५. **श्री कृष्ण देव त्रिपाठी** : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लखनऊ कानपुर के बीच बड़ी लाइन दोहरी करने का काम कब तक पूरा हो जायेगा ; और

(ख) क्या कानपुर के निकट गंगा नदी पर भी दोहरी लाइन डालने के लिये सरकार एक पुल और बनाने पर विचार कर रही है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाह नवाज खां) : (क) कानपुर और लखनऊ के बीच ४४.५ मील लम्बे सेक्शन में से कानपुर और उन्नाव के बीच ९.९० मील लम्बे टुकड़े पर (जिसमें गंगा का पुल शामिल नहीं है) दोहरी लाइन बिछायी हुई है । इस सेक्शन के बाकी इकहरी लाइन के टुकड़े पर दोहरी लाइन बिछाने का विचार नहीं है ।

(ख) कानपुर के पास गंगा पर एक और पुल बनाने का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है ।

उत्तर प्रदेश में मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

१११६. **श्री कृष्ण देव त्रिपाठी** : क्या स्वास्थ्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मलेरिया उन्मूलन योजना को उत्तर प्रदेश में कितनी सफलता मिली है ;

(ख) पिछले पांच वर्ष में प्रतिवर्ष कितने व्यक्ति उत्तर प्रदेश में मलेरियाग्रस्त हुए तथा कितनी मौतें हुईं ;

(ग) यह योजना उत्तर प्रदेश में कितने वर्ष और चलेगी ; और

(घ) योजना समाप्त होने पर क्या मलेरिया का पूर्ण उन्मूलन हो जायेगा ?

स्वास्थ्य मन्त्री (डा० सुशीला नायर) : (क) उत्तर प्रदेश राज्य में राष्ट्रीय मलेरिया नियन्त्रण कार्यक्रम १९५३–५४ में प्रारम्भ किया गया था । ५ वर्ष की एक संक्रियावस्था के पश्चात् यह देखा गया कि मलेरिया की व्यापकता काफी घट गई है, जैसा कि निम्नां-